Adulteration of Groundnut Oil

*123. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the incidence of adulteration in Groundnut Oil is on the increase as was reported in a news item which appeared in the 'Times of India' dated the 20th September, 1991;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) what steps Government propose to take to prevent its adulteration?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI BALRAM AKHAR):
(a) and (b) NDDB had organised analysis of samples of double filtered aroundunt oil sold loose by retailers in several markets including Bangalore, Raj-kot, Bhavnagar and Madras between August to October 1991. Similar samples were drawn from 15 kg. tins sold at retail outlets in Ahmedabad, Baroda, Surat and Rajkot. It was found that the most common adulterants are castor oil and cottonseed oil. The highest incidence of adulteration was found in oil sold in loose form.

(c) Department of Health, which is the administrative department for the implementation of the Prevention of Food Adulteration Act, has requested State Governments/Union Territory Ad-ministrations to keep a strict vigil on quality of food stuff sold in the market, specially articles of mass consumption like edible oils.

कुमारी सरोज खापर्डे : श्रीमन्, मेरे प्रश्न के उत्तर में मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया है उसमें 'ए' और 'बी' का जवाब जहां तक मैं समझी हूं वह तो ठीक ही दिया है लेकिन 'सी' के जवाब में मंत्री जी ने जो उत्तर दिया है वह मुझे कोई समाधान कारक महसूस नहीं हो रहा है। समाधान-कारक इसलिए महसूस नहीं हो रहा है क्योंकि हम लोग अपने आप को दोषी ठहराने के बजाय किसी को दोषी बड़ी आसानी से ठहरा देते हैं। 'सी' के उत्तर में मंत्री महोदय ने कहा कि डिपार्टमेंट आफ हैल्थ जो है वह प्रिवेंशन आफ फूड एडल्ट्रेशन एक्ट के अन्तर्गत कोई एक्शन लेता है। ग्राउंडनट आयल के एडल्ट्रेशन के संबंध में सवाल इस सदन के सामने कोई पहली बार नहीं आ रहा है। इसको कई बार जगेश देसाई जी ने उठाया है और कई बार हनुमनतप्पा जी ने उठाया है और मैं भी इस सवाल को उठा रही हूं। मेरा सवाल यह है कि 'सी' में हैल्थ मिनिस्ट्री वाले प्रिवेंशन आफ एडल्ट्रेशन एक्ट के अन्तर्गत जो भी एक्शन लेते हैं या जो भी एक्शन लेना चाहिए वह तो लेंगे ही लेकिन मुझे यहां यह कहना बहुत जरूरी है कि आयल सीड्स की खरीदी काश्तकारी से कृषि मंत्रालय द्वारा होती है और जहां तक मैं समझ पाई हूं आयल सीड्स की बिक्री भी मंत्रालय के द्वारा होती है। जब खरीदी और बिक्री कृषि मंत्रालय के द्वारा होती है तो मुझे लगता है इस बीच में कहीं न कहीं गड़बड़ यहां होती है और इस गड़बड़ को रोकने के लिए इस एडल्ट्रेशन को रोकने के लिए . . .

श्री सभापति : आप चाहती हैं कि मंत्रालय की गड़बड़ी को आप रोकें ?

कुमारी सरोज खापर्डे : आपका मंत्रालय क्या कदम उठा रहा है और इसी प्रश्न के अंतर्गत मैं यह भी समझना चाहूंगी मंत्री जी से, कि क्या आपकी मिनिस्ट्री एन० डी० डी० बी० के द्वारा जो आपने दो चार अहमदाबाद, बड़ौदा, राजकोट, सूरत का मेंशन किया इसके अलावा अदर स्टेट्स और यूनियन टेरिटरीज में कोई सेंट्रल सर्वे करने जा रही है? अगर जा रही है, तो उसका ब्यौरा मंत्री जी दें।

श्री बलराम जाखड़ : सभापति महोदय, सरोज जी का प्रश्न जो है, यह जानती हैं स्वयं हैल्थ मंत्रालय में रही हैं और मेरे ख्याल में, जो प्रिवेंशन का विचार था उनका वह तो लॉ उनको लगाना चाहिए था प्रिवेंशन का। जहां तक एन० डी० डी० बी० का सवाल है, यह हमने सामाजिक कार्य किया है देखकर के, सिर्फ इसलिए कि

करना चाहिए था और जो एडल्ट्रेशन रोकने का काम है वह तो हैल्थ मंत्रालय का था, उन्हीं को करना चाहिए था। इसीलिए हमने इनको रेफर नहीं किया। लेकिन, जो दूसरा प्रश्न है उनका खरीद-फरोख्त का, उसका मैं जवाब देता हूं कि, खरीदने और फरोख्त करने का मसला, वर्ष 1989 से हमने एक मार्केट इंटरवेंशन स्कीम शुरू की और उसका माध्यम बनाया एन० डी०डी०बी० को। तो एन०डी०डी०बी० के माध्यम से हमने मार्केट इंटरवेंशन स्कीम शुरू की थी ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : जब व्हिप बातें करके मंत्री जी को डिस्टर्ब करेंगे तो हाऊस कैसे चलेगा ?

श्री बलराम जाखड़ : यह तो पहले आपको ही रोकना पड़ेगा इनको।

श्री सभापति : यह तो मैं देख रहा हूं, आपके मंत्री, आपके व्हिप, यह सभी कर रहे हैं तो हाऊस चलने में मुश्किल हो जायेगा।

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI M. L. FOTEDAR): Sir, I was hearing the Minister.

MR. CHAIRMAN: No, no, you were also talking. I was going to protest, But ... *{Interruptions')* ...

SHRI M. L. FOTEDAR: Sir, I have never disturbed anyone. I don't want to disturb him.

SHRI BALRAM JAKHAR: You can also disturb me as well as allow me to do the job.

(Interruptions)

MIR. CHAIRMAN: There are galleries. You go there and then talk... *{Interruptions)* .. .You can go to the gallery and talk.

SHRI SIKANDER BAKHT: Sir, *mamta* is the culprit.

SHRI S S. AHLUWALIA: Sir, Mr Fotedar is three-in-one.

श्री बलराम जाखड़ : सर, इसलिए किया था मार्केट इंटरवेंशन का, कि किसान को किसी प्रकार से तंग न किया जाए, उसकी उपज की प्राइस कम न ली जाए और ठीक ढंग से चल सके। हमने एन० डी०डी०बी० की मार्फत मिल भी लगाई, खरीद भी किया और इसलिए किया कि वक्त पर और सही खरीद हो जाए और जब मौका आए तो रिलीज भी कर दिया जाए। लेकिन, वह काम एक-साथ नहीं हो सकता। इसलिए मार्केट इंटरवेंशन स्कीम के अधीन जो खरीद की हैं हमने, इसके आंकड़े आपको दिए हैं कि किस प्रकार हमने कितनी-कितनी खरीद की है और फिर हमने इसके स्टोरेज टैंक भी बनाए हैं, जिससे कि एक जगह हम स्टोर कर सकें और जब वक्त आए उसको रिलीज भी कर सकें। लेकिन यहां तक एडल्ट्रेशन का प्रश्न पैदा होता है निकालने के बाद, प्राइवेट भी बहुत खरीदते हैं और खरीदने के बाद मिक्स-अप करते हैं। इसलिए हमेशा से सोचा है। यह जो 15—16 वाला बड़ा टिन होता है उसे तो सारा कोई खरीदता नहीं, छोटे खरीदते हैं। तो इसमें हेराफेरी करते हैं और मिला लेते हैं। आपने देखा होगा कि केरोसीन जो हम बेचते हैं उसको लोग, ऐसे नालायक भी हैं, जो डीजल में उसको मिला देते हैं, जिससे मशीनरी भी खराब हो जाती है। गरीब का फायदा नहीं होता। कुछ लोग गड़बड़ कर जाते हैं, उसके लिए पकड़ने की कोशिश होती है। हमने एक नई स्कीम इनको दी, जो कि हैल्थ मंत्रालय के पास है। हैल्थ मंत्री जी बैठे हैं। मेरा ख्याल है कि 4 तारीख को आखिरी सुनवाई होगी, उसके बाद हम एन०डी०डी० डी०बी० की मार्फत पामोलीन और मस्टर्ड को ग्राउंडनट आयल के साथ मिलाकर एक नई धारा चलाना चाहते हैं, जिससे यह गड़बड़ कम हो जाए, एडल्ट्रेशन का उनको मौका हो न मिले। जब यह एप्रूव कर देंगे, सर्टिफाई कर देंगे कि सेहत के हिसाब से ठीक है तो ...(व्यवधान)...

कुमारी सरोज खापर्डे : मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं है।

श्री बलराम जाखड़ : उत्तर आपका यही है कि इसको रोकने का काम तो हेल्थ मिनिस्टरी का है । हम जो करते हैं, हमने किया है इसको चलाने को ।...

कुमारी सरोज खापर्डे : सर, मेरा प्रश्न यह नहीं है।

श्री सभापति : उनका प्रश्न यह था कि... Will you take these analytical samples in other districts also?

कुमारी सरोज खापर्डे : प्रिवेंशन आफ फूड एडल्ट्रेशन का प्रश्न था । स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतर्गत आता है वह तो रोक थाम के बारे में और सारी स्टेट उसमें सारे कदम उठाती हैं। मेरा सवाल यह है कि एडल्ट्रेशन खरीद-फरोख्त के बाद जो करते हैं, वहां एडल्ट्रेशन होता है उसके बारे में आपका मंत्रालय क्या ऐक्शन ले रहा है ?

श्री बलराम जाखड़ : यह बात गलत है कि हम वहां कुछ कर सकते हैं । हम तो उसमें चाहते हैं कि किसान को पूरा पैसा मिले और जितना हम खरीद सकते हैं, स्टोर कर सकते हैं, उतना करते हैं और उससे तेल निकाल करके उसको ठीक ढंग से वितरित करते हैं । उसके लिए हमने सारे भारत में एजेंसियां बना रखी हैं। हमने किसी को रोक नहीं रखा है कि कोई और नहीं खरीदे । प्राइवेट एजेंसीज भी खरीदती हैं। वे भी तेल निकालती हैं । वे गड़बड़ करती हैं तो यह इनके प्रश्न का उत्तर है... (व्यवधान) रोकने का हमारी जगह से कोई प्रश्न नहीं उठता है । हमने तो सामाजिक तौर पर करके किया है । हमें तो श्रेय मिलना चाहिये ।

श्री सभापति : अब एक सवाल का जवाब नहीं दिया है । वह था एनेलिसिस आफ सर्वे आपने कुछ डिस्ट्रिक्ट्स में किया था क्या आप कुछ और डिस्ट्रिक्ट्स में भी करेंगे । यह उन्होंने आखिर में पूछा था, इसका जवाब दीजिये ।

श्री बलराम जाखड़ : ऐसा है कि अनासिर में शुरू किया है । वह कहते

यह देखिए कितना पहुंचे हैं हम आगे । कहां से कहां पहुंचे हैं।

श्री सभापति : आपने कितना एनेलिसिस कर लिया है, कितनी स्टेट्स में किया है ।

Look here, where we have reached. Just see where we have reached; how much have done.

SHRI BAJJRAM JAKHAR: We have created tanks. We have *(Interruptions)* As a Minister of Agriculture this is not my

हमने सारा का सारा आपके सामने रखा है ।

श्री सभापति : वह एनेलिसिस की बात है । आपने एनेलिसिस किन जगहों पर कराया है । फिर वे पूछ रही हैं कि क्या और जगहों पर भी आप एनेलिसिस कराएंगे ?

श्री बलराम जाखड़ : सामाजिक काम किया है ।

श्री सभापति : क्या आप और जगह भी एनेलिसिस कराएंगे । वे क्रिटिसाइज नहीं कर रही हैं।

श्री बलराम जाखड़ : यह हैल्थ मिनिस्ट्री को करना चाहिए ।

job, Sir.

MR. CHAIRMAN: Then, why did you do it?

SHRI BALRAM JAKHAR: We an doing it as a social service Sir.

MR. CHAIRMAN: Will you do tafe social service in other States also likeMaharashtra, Haryana and Madhya Pra-
desfa?

SHRI BALRAM JAKHAR: We can do it They should also do it

श्री सभापति : यह दोनों के बीच में है । दोनों से आप बात कर लीजिए । दोनों मिलकर देंगे ।

एक माननीय सदस्य : हेल्थ मिनिस्टर बतायें कि यह उनके विभाग का है कि नहीं.... (व्यवधान)

कुमारी सरोज खापर्डे : अपने प्रश्न के "सी" पार्ट के अंदर मैंने यह सवाल पूछा था कि नेशनल डेरी डेवलपमेंट बोर्ड के द्वारा क्या आपका मंत्रालय जहां जहां आपने सर्वे किया है वहां की बात छोड़कर, अन्य राज्यों में या टेरीटरीज में यूनियन टेरीटरीज में सर्वे करने का कुछ विचार रखता है ।

श्री सभापति : यह तो वही सवाल है ।

श्री बलराम जाखड़ : वही जवाब है ।

श्री सभापति : नहीं, नहीं । आप कहते हैं कि वही है लेकिन.... (व्यवधान)

SHRI BALRAM JAKHAR: It is the Health Ministry which has to look after this, not us. We are doing it as a social service. *{Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: They have done the social service. *{Interruptions}..* .That is what they are doing.

और दूसरा पूछिए, अगर आपका कोई सप्लीमेंट्री हैं । श्री राघवजी ।

श्री राघवजी : सरोज जी, आप स्वास्थ्य मंत्री रही हैं, आपको भी मंत्री जी टाल रहे हैं.... (व्यवधान)

कुमारी सरोज खापर्डे : महोदय....

श्री सभापति : आप बैठिए । यह एलाउड नहीं है । इस तरह से बातें टी० वी० में भी नहीं आयेंगी ।

श्री राघवजी : क्या माननीय मंत्रीजी यह बताने का कष्ट करेंगे कि जो विदेशों से पाम आयल आयात होता है और ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक वितरण से बंटना चाहिए वह वास्तव में गांवों में वितरित नहीं होता है । वह सारा का सारा पाम आयल मिलावट में चला जाता है । क्या शासन ने इस ओर ध्यान दिया है कि मिलावट न होने पाये और वह ग्रामीण क्षेत्रों में बंट जाए । इसकी व्यवस्था हो और दूसरा यह कि मिलावट में छोटे छोटे व्यापारियों को पकड़ा जाता है लेकिन जहां पर उदगम होता है मिलावट का, मिलों में, जहां मिलावट होती है वहां पर कार्यवाही नहीं होती है । कम से कम पैकेज्ड तेल जो होता है, जो पैकेट्स म आता है ऐसे तेलों की जांच दुकानदार के यहां न करके जहां पर पैकेज्ड होता है वहां पर की जाए ।

श्री बलराम जाखड़ : क्या सवाल किया है I could not hear him. Let him put the question again.

AN HON. MEMBER; When you at* talking, how can you hear him?

श्री सभापति : वे बात करने में लगे थे, आप दोबारा दोहरा दीजिए । Please put your question.

श्री राघवजी : मेरे प्रश्न के दो भाग हैं । पहला भाग तो यह है कि पाम आयल जो विदेशों से आयातित होता है जिसका ग्रामीण क्षेत्रों वितरण होना चाहिए, वह ग्रामीण क्षेत्र में पहुंचता नहीं है । वह सारा का सारा मिलावट में चला जाता है, एक बात । दूसरी बात यह है कि मिलावट के उदगम के स्थान को पकड़ते नहीं हैं और छोटे दुकानदारों को जिनके पास पैकेट्स में तेल होता है उनको परेशान किया जाता है । क्या उदगम स्थान में मिलावट को पकड़ेंगे, या फिर छोटे छोटे दुकानदारों को इसी तरह से परेशान किया जाता रहेगा ।

श्री बलराम जाखड़: पाम आयल का हमारे पास हिस्सा साढ़े 12 परसेंट देने

का है वह भी पिछले साल एन० डी० डी० बी० से नहीं मिला । इस दफा बात हो रही है । अगर आयेगा तो उसका हम उचित इस्तेमाल करेंगे और ठीक ढंग से उसका मिश्रण भी करते हैं । जब एप्रूव हो जाएगा तब करेंगे । दूसरा है कि हम छोटे में पांच किलो और एक किलो में टेट्रा पैक्स में इसको बंद करते हैं । इसमें मिलावट का प्रश्न पैदा नहीं होता है । यह टी बड़े पीपे जो 15 के० जी० के या दूसरे बनते हैं उनमें होता है।

श्री भंवर लाल पंवारः सभापति महोदय, कृषि मंत्रालय की खरीद फरोख्त करने वाली जो बात आयी है तो क्या फरोख्त करते समय मंत्रालय के स्तर पर ही उसकी टेस्टिंग की जाती है और फिर फरोख्त की जाती है ?

श्री बलराम जाखड़ : मंत्रालय नहीं, एन० डी० डी० बी० खरीद करता है । इनके लिये हमारे पास साधन मौजूद हैं और उपकरण मौजूद हैं जिससे उनकी प्योरिटी टेस्ट करते हैं और फिर लेते हैं जितनी भी खरीद मार्केट इंटरवेंशन के मातहत होती है वह सारा का सारा स्टोर में 1.76 लाख गया है और उसकी स्टोरेज कैपेसिटी इस वक्त 1.6 लाख टन है । तीन जगह हमने स्टोरेज टैंक बनवाये हैं । अगर आप देखना चाहें तो इन्हें आप दिल्ली में भी देख सकते हैं। बहुत बढ़िया उसको बनाया है और दूसरी जगह जो हम उसका स्थानान्तरित करते हैं, भेजते हैं वह भी है ।

*124. *[The questioner (Shri Pramod Mahajan) was absent For answer vide col.* 32 infra]

*125. *[The questioner (Shrimati Kamla Sinha) was absent. For answer vide cols.* 32-33 infra]

*126. *[The questioner (Shri Radha-Kishan Malaviya) was absent. For answer vide cols.* 33-34 infra]

*127. *[The questioners (Shri Ram Jeth-malani and Shri Ran lit Singh) were absent. For answer vide cols.* 34-35 intra]

Milk Mqutmnent of DeM

*128. SHRI RAM NARESH YADAV: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) which are those agencies through which milk requirement for the consumers in Delhi is being met; and

(b) steps which Government propose to take to meet the growing demand of milk in Delhi?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHU K. C. LENKA): (a) The requirement of milk in Delhi is met by Demi Milk Scheme, Mother Dairy, cooperative federations of some of the neighbouring States and private agencies in the organised and unorganised sector.

(b) The Government is considering a proposal to set up another Dairy in Delhi and to expand the capacity of D.M.S. to augment the supply of milk through the organised sector.

श्री राम नरेश यादव : महोदय, मेरा प्रश्न यह था कि जो इस समय डिमांड बढ़ रही है, उसको ध्यान में रखते हुए सरकार दिल्ली के निवासियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिये क्या कदम उठाने जा रही है, इस संबंध में उत्तर स्पष्ट नहीं है । इसी संदर्भ में मैं स्पष्टीकरण चाहता हूं पहला यह कि इस समय दिल्ली में जिस तरह से आबादी बढ़ती चली जा रही है, उसको ध्यान में रखते हुए मिल्क की कितनी डिमांड है और आप कितना लीटर मिल्क सप्लाई कर पा रहे हैं ? जो शेष बच रहा है, शार्टेज जो है, उसको कितने दिनों में पूरा करने की व्यवस्था है या योजना है, यह मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं ?

SHRI K. C. LENKA: Sir, the total requirement of milk in Delhi is estimated at 22 lakh to 25 lakh litres per day, Out of this, DMS and Mother Dairy, which are the agencies to supply milk in Delhi, provide 10.5 lakh litres per day. Rest of the milk requirement is met by private sector